BSES

अब गणपति महोत्सव के आयोजक बिजली चोरी करते पकड़े गए

- करोल बाग इलाके में गणपति महोत्सव धूमधाम से तो मनाया गया, लेकिन चोरी की बिजली से
- आयोजन स्थल के पास एक जेनरेटर रखा था, पर इस्तेमाल हो रही थी चोरी की बिजली
- हजारों गणपति भक्तों के सामने छापेमारी, बेनकाब हुए आयोजक
- 107 किलोवॉट की बिजली चोरी पकड़ी गई, आयोजक पर होगा 40 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली, 19 सितंबर, 2007। पहले कांवड़ शिविर, फिर श्रीकृष्ण लीला और अब गणपति महोत्सव....। यूं तो ये तीनों आयोजन एक–दूसरे से बिल्कुल अलग हैं, लेकिन इनमें एक समानता जरूर है। वह यह कि तीनों ही आयोजनों के दौरान कई आयोजक भगवान के नाम पर बिजली चोरी करते पकड़े गए। 16 से अधिक कांवड़ शिविरों और 20 से ज्यादा श्रीकृष्ण लीलाओं के आयोजकों को बिजली चोरी में पकड़ने के बाद अब करोल बाग में बड़े पैमाने पर आयोजित गणपति महोत्सव के आयोजकों को भी बिजली चोरी करते रंगे हाथों पकड़ा गया है। गणपति महोत्सव के आयोजकों को 107 किलोवॉट बिजली की चोरी करते पकड़ा गया। आयोजक, आयोजन स्थल के पास से गुजर रही बीएसईएस की मेन लाइन पर कटिया डालकर बिजली की चोरी कर रहे थे। इसके लिए बिजली कानून के हिसाब से उन पर 40 लाख रूपये से अधिक का जुर्माना किया जा रहा है।

करोल बाग में कैलाश ज्वेलरी के सामने, *श्री गणेश मराठा मंडल* द्वारा आयोजित गणेश महोत्सव की भव्यता को देखकर सहसा यह आभास हो रहा था, मानो यह आयोजन दिल्ली के व्यावसायिक इलाके में नहीं, बल्कि मुंबई के किसी ठेठ मराठी इलाके में हो रहा हो। चूंकि अब गणेश उत्सव दिल्ली की जीवनशैली का भी अभिन्न हिस्सा हो गया है, ऐसे में हजारों लोग करोल बाग के इस महोत्सव में गणेश के दर्शन करने आए थे।

इसी दौरान दर्शन के लिए आए किसी जागरूक उपभोक्ता ने एक स्थानीय बीएसईएस अधिकारी को बताया कि गणेश उत्सव के लिए लगाए गए पंडाल में बिजली चोरी हो रही है। तुरंत बीवाईपीएल एन्फोर्समेंट टीम को खबर दी गई और आनन–फानन में एन्फोर्समेंट टीम आयोजन स्थल पर पहुंची। वहां टीम को पता चला कि आयोजकों ने इस बड़े आयोजन के लिए बिजली का अस्थायी कनेक्शन ही नहीं लिया है। लेकिन एन्फोर्समेंट टीम को वहां एक बड़ा सा जेनरेटर नजर आया, जो इस भ्रम पैदा कर रहा था कि आयोजन के लिए जेनरेटर की बिजली इस्तेमाल की जा रहा है।

चूंकि यह एक धार्मिक कार्यक्रम था, और एन्फोर्समेंट टीम बिना वजह कोई समस्या खड़ी नहीं करना चाहती थी, ऐसे में टीम ने काफी सावधानीपूर्वक आयोजन स्थल का मुआयना किया। करीब दो घंटे की छानबीन व मशक्कत के बाद बीवाईपीएल एन्फोर्समेंट टीम को एलवी मेन्स पर एक कटिया लगा दिखा, जिसके माध्यम से बिजली चोरी की जा रही थी। हजारों भक्तों के सामने हुई छापेमारी से आयोजकों की खूब किरकिरी हुई और भक्तों के सामने वे बेनकाब हुए। गणेश दर्शन को आए व्यापारी मनोज सक्सेना के मुताबिक, ऐसे मामलों में कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। यह कोई सामान्य बिजली चोरी का मामला नहीं, बल्कि यहां भगवान के नाम पर चोरी हो रही थी और हजारों भक्तों की भावनाओं को ठेस भी पहुंची।

त्याहारों के दिन आ रहे हैं। रामलीला, दुर्गा पूजा, दशहरा, दीवाली व ईद जैसे कई बड़े व महत्वपूर्ण त्योहार आ रहे हैं। इन दिनों बिजली की चोरी काफी बढ़ जाती है। ऐसे में बीएसईएस की ओर से तमाम आरडब्ल्यूएज, धार्मिक आयोजनों के आयोजकों व अन्य संगठनों को पत्र लिखकर अनुरोध किया गया है

1/2

कि वे ऐसे धार्मिक आयोजनों के लिए बाकायदा बिजली का अस्थायी कनेक्शन लें, ताकि बाद की परेशानियों से बचा जा सके। एक अधिकारी के मुताबिक, कंपनी के सभी डिविजन अधिकारियों को निर्देश दे दिए गए हैं कि धार्मिक आयोजनों के लिए बिना देर किए, आयोजकों को बिजली का अस्थायी कनेक्शन उपलब्ध कराए जाएं।

दरअसल, अस्थायी कनेक्शन लेने में कोई दिक्कत नहीं है। इसके लिए बस ये कागजात चाहिएः

- फायर डिपार्टमेंट, पुलिस व एमसीडी/ डीडीए से अनापत्ति प्रमाणपत्र
- अधिकृत जांच रिपोर्ट

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: प्रशान्त दुआ
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– **39999870/ 9312007822**

चंद्र पी कामत
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– **39999088/ 9350130304**

2/2